



Vikas Kumar

07 Aug 2005

09:06 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121584618

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 07/08/2005  
दिन \_\_\_\_\_: रविवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 09:06:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 08:20:21 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 08:44:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:05:46 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 05:47:55 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:45:51 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:07:24 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:21:33 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 20:48:28 कर्क  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 03:24:18 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मघा - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: परिघ  
करण \_\_\_\_\_: कौलव  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: मूषक  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: वनचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: मे-मेहर  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: सिंह



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 3 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
07/08/2005	08/11/2005	08/11/2025	08/11/2031	08/11/2041
08/11/2005	08/11/2025	08/11/2031	08/11/2041	08/11/2048
00/00/0000	शुक्र 09/03/2009	सूर्य 25/02/2026	चंद्र 08/09/2032	मंगल 06/04/2042
00/00/0000	सूर्य 10/03/2010	चंद्र 27/08/2026	मंगल 09/04/2033	राहु 24/04/2043
00/00/0000	चंद्र 08/11/2011	मंगल 02/01/2027	राहु 09/10/2034	गुरु 30/03/2044
00/00/0000	मंगल 07/01/2013	राहु 27/11/2027	गुरु 08/02/2036	शनि 09/05/2045
00/00/0000	राहु 08/01/2016	गुरु 14/09/2028	शनि 08/09/2037	बुध 06/05/2046
00/00/0000	गुरु 08/09/2018	शनि 27/08/2029	बुध 07/02/2039	केतु 03/10/2046
00/00/0000	शनि 08/11/2021	बुध 03/07/2030	केतु 08/09/2039	शुक्र 03/12/2047
07/08/2005	बुध 08/09/2024	केतु 08/11/2030	शुक्र 09/05/2041	सूर्य 09/04/2048
बुध 08/11/2005	केतु 08/11/2025	शुक्र 08/11/2031	सूर्य 08/11/2041	चंद्र 08/11/2048

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
08/11/2048	08/11/2066	08/11/2082	09/11/2101	09/11/2118
08/11/2066	08/11/2082	09/11/2101	09/11/2118	08/08/2125
राहु 22/07/2051	गुरु 26/12/2068	शनि 11/11/2085	बुध 06/04/2104	केतु 07/04/2119
गुरु 14/12/2053	शनि 10/07/2071	बुध 21/07/2088	केतु 04/04/2105	शुक्र 06/06/2120
शनि 20/10/2056	बुध 14/10/2073	केतु 30/08/2089	शुक्र 03/02/2108	सूर्य 12/10/2120
बुध 10/05/2059	केतु 20/09/2074	शुक्र 29/10/2092	सूर्य 09/12/2108	चंद्र 13/05/2121
केतु 27/05/2060	शुक्र 21/05/2077	सूर्य 11/10/2093	चंद्र 10/05/2110	मंगल 09/10/2121
शुक्र 28/05/2063	सूर्य 10/03/2078	चंद्र 13/05/2095	मंगल 08/05/2111	राहु 28/10/2122
सूर्य 21/04/2064	चंद्र 10/07/2079	मंगल 21/06/2096	राहु 24/11/2113	गुरु 04/10/2123
चंद्र 21/10/2065	मंगल 14/06/2080	राहु 28/04/2099	गुरु 01/03/2116	शनि 12/11/2124
मंगल 08/11/2066	राहु 08/11/2082	गुरु 09/11/2101	शनि 09/11/2118	बुध 08/08/2125

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 3 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते हैं। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक् प्रवृत्ति के प्राणी हैं तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष हैं। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग हैं। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।